



प्रयागराज, रविवार 27 सितम्बर 2026 से 03 अक्टूबर 2026 तक

वर्ष-14, अंक-39

पृष्ठ-8 मूल्य: 3 रुपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:adhuniksamachar2014@gmail.com



website:www.adhuniksamachar.com

शहबाज ने यूएन में भारत को दी जंग की धमकी,कश्मीर को गले की नस बताया,कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान युद्ध की कार्रवाई मानेगा। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए गर्दन की नस है। दरअसल, गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटने ही इंसान की मौत हो जाती है। शहबाज शरीफ ने पिछले साल हुए भारत-पाकिस्तान जंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल हुए संघर्ष में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना ने भारत को सबक सिखाया था। पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र-शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में

सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति



टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा ठकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्वि सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा

कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। सिंधु जल संधि पर भारत के कदम को बताया

अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकीयों को पाकिस्तान का समर्थन था। इस्लामोफोबिया का भी मुद्दा उठाया-शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पर आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इसका असर मौबा लिं'चिंग, सांप्रदायिक हिंसा,आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..

विदेशमंत्री का पाक को दो टूक-बोला अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा, जर्नलिस्ट ने पाक में आतंकवाद फैलाने का आरोप भारत पर लगाया था

न्यूयॉर्क। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। 4 साल पहले भी ऐसा ही जवाब दिया था-इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा। इस पर जयशंकर ने कहा था- 'आप गलत मंत्री से सवाल पूछ रहे हैं।' पाकिस्तान कब तक आतंकवाद जारी रखना चाहता है, यह पाकिस्तान के मंत्री बताएंगे।' भारत ने अंतरराष्ट्रीय में पाक आतंकवाद बड़ा विवाद- भारत लंबे

समय से पाकिस्तान पर सीमा पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता रहा है। पाकिस्तान इन आरोपों से इनकार करता है। दोनों देशों के

संचालित होने वाले आतंकी संगठनों और आतंकवाद की फंडिंग का मुद्दा भी उठाया है। वहीं, पाकिस्तान भारत के आरोपों को खारिज करता रहा



बीच आतंकवाद का मुद्दा लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठता रहा है। भारत ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले का भी मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाया है। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान में मौजूद या वहां से

लिए चिंता का विषय हैं। पिछले 3 महीने में 7 भारतीयों की मौत, 1 लापता- 8 जुलाई- ब्लैक सी में एमवी ओमोर्फी पर हमले में भारतीय चीफ ऑफिसर की मौत हुई। 19 जुलाई- एमवी गोल्डन लियो पर हमले में चार भारतीय नाविक मारे गए। 9 सितंबर- होर्मुज स्ट्रेट में एल गैया टैंकर पर हमला हुआ, जिसके बाद एक भारतीय क्रू सदस्य लापता हो गया। 17 सितंबर- ओमान की खाड़ी में एमवी केप डाओ पर हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हुई। कल यूएनजीए में बोलेंगे जयशंकर- विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल सेशन में 26 सितंबर को भारत का पक्ष रखेंगे। अपने संबोधन के दौरान वह वैश्विक मुद्दों पर भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखेंगे। पिछले साल भी जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष रखा था। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। विदेश मंत्री ने आतंकवाद को बढ़ावा देने और आतंकीयों को पनाह देने वाले देशों को जवाबदेह ठहराने की बात कही थी।

रिपोर्ट-अमेरिका मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर कर सकता हैं हमला, ट्रम्प ने जंग रोकने का प्रस्ताव ठुकराया, होर्मुज खोलने का ऑफर भी नहीं माना

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। अमेरिका ईरान पर दोबारा हमले कर सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की

इसके तहत संघर्ष रोकने, सातवें दिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलने और इसके बाद ईरान के परमाणु



रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 7 दिन में जंग रोकने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर से बमबारी शुरू करनी चाहिए। ईरान ने गुरुरार को जंग रोकने के लिए 7 दिन का एक छान पेश किया था।

कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने की बात कही गई थी। ट्रम्प द्वारा प्रस्ताव को ठुकरा देने के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका प्रस्ताव को स्वीकार करता है, तो उसी दिन दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। पजशकियान ने न्यूयॉर्क से तेहरान रवाना होने से पहले अमेरिकी न्यूज चैनल सीबीएस

से बातचीत में कहा कि दोनों देशों के बीच अभी भरोसे की कमी है। अराधची ने मध्यस्थों के जरिए प्रस्ताव दिया था-ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराधची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा था कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका जंग रोकने का प्रस्ताव दिया है। उनके मुताबिक अमेरिका के मिडटर्म चुनाव से पहले समझौता हो जाए तो यह बेहतर होगा। अब्बास अराधची ने बताया था कि यह योजना जून में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के जैसी ही है।

ट्रम्प ने यूएन में ईरान को धमकी दी थी- 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के दौरान ट्रम्प ने ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि उनके सामने दो रास्ते हैं- ईरान के साथ ऐसा समझौता करना, जिससे वह दोबारा मजबूत हो सके, या इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर देना। ट्रम्प ने साथ ही कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि चुनाव के बाद ईरान के साथ कोई समझौता हो सकता है।आगे की खबर पेज संख्या 05 पर..

यूएन में नेपाल पीएम ने भारत-चीन को थेंक्यू कहा,बोले- हिमालय बचाने के लिए साथ आएं, भोटेकोशी की बाढ़ पूरी दुनिया को चेतावनी

न्यूयॉर्क। नेपाल के प्रधानमंत्री बाबेन शाह ने गुरुरार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में

शाह ने कहा कि तीनों देशों के बीच जानकारी शेयर होने और मिलकर तैयारी करने से आपदा में होने वाला



भोटेकोशी की बाढ़ के बाद मदद के लिए भारत और चीन को धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि हिमालय में बढ़ते खतरे से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन को साथ आना होगा। शाह ने भोटेकोशी की बाढ़ को सिर्फ नेपाल की आपदा नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी बताया। शाह ने कहा कि इस बाढ़ ने सड़कें, पुल, स्कूल, घर और लोगों के काम-धंधे तबाह कर दिए। उन्होंने दुनिया से अपील करते हुए कहा कि जलवायु आपदा से प्रभावित गरीब देशों को दोबारा खड़ा करने के लिए कर्ज नहीं, ग्रांट यानी ऐसी मदद दी जाए जिसे वापस न करना पड़े। हिमालय के लिए भारत-चीन के साथ अलर्ट सिस्टम बनाने का प्रस्ताव-बालेन शाह ने नेपाल, भारत और चीन के बीच एक सझा अलर्ट सिस्टम बनाने का प्रस्ताव दिया, ताकि बाढ़ और ग्लेशियर से आने वाली आपदाओं का पहले पता चल सके। इसके तहत तीनों देश-सैंटोलाइट से मिली जानकारी आपस में शेयर करेंगे। खबरनाक ग्लेशियर झीलों पर नजर रखेंगे। बाढ़ की पहलू सूचना देने वाला सिस्टम मजबूत करेंगे। आपदा आने पर राहत-बचाव में साथ काम करेंगे।

दोबारा बनाने के लिए अपनी जीडीपी के करीब 10फीसदी के बराबर मदद की जरूरत है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने यह भी कहा कि 'दुनिया ने युद्ध के लिए सामान पहुंचाने की व्यवस्था तो बहुत मजबूत बना ली है, लेकिन जरूरतमंद लोगों तक खाना और राहत पहुंचाने की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं है।' नेपाल ने यूएन फंड से 20 मिलियन डॉलर की मदद मांगी-नेपाल ने संयुक्त राष्ट्र के लॉस एंड डैमेज फंड से 20 मिलियन डॉलर की मदद मांगी है। इस फंड से एक देश अधिकतम इतनी ही राशि मांग सकता है। हालांकि, यह रकम नेपाल को हुए नुकसान के मुकाबले काफी कम है। नेपाल सरकार के शुरुआती आकलन के मुताबिक, बाढ़ से देश को करीब 5 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। लॉस एंड डैमेज फंड 2022 में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद बनाया गया था, ताकि जलवायु आपदाओं से प्रभावित देशों की मदद की जा सके। अब तक इस फंड से किसी देश को राशि जारी नहीं की गई है। बांग्लादेशी पीएम बोले-दुःख 2024 में फासीवादी से आजाद हुआ- बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने कहा कि, साल 2024 में बांग्लादेश 'फासीवादी' से आजाद हुआ। उन्होंने कहा कि अब उनकी सरकार देश को दोबारा मजबूत करने के लिए काम कर रही है। तारिक रहमान का इशारा शेख हसीना की सरकार से था। छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना भारत आ गई थी। रहमान ने रोहिंया संकट पर भी बात की और कहा कि रोहिंया संकट को शुरुआत म्यांमार से हुई है, इसलिए इसका समाधान भी वही होना चाहिए। विस्थापित रोहिंयाओं की सुरक्षित वापसी हो इस समस्या का एकमात्र समाधान है।

ईरान बोला-हमारे विमान रोके तो किसी और के भी उड़ने नहीं देंगे,ईरान से रोक 100 इंटरनेशनल फ्लाइट्स, यूएई-ओमान समेत कई देशों ने उड़ानें रोकें

तेहरान। ईरान ने धमकी दी है कि अगर उसकी उड़ानों पर रोक लगाई गई, तो वह भी इलाके में किसी भी विमान को उड़ान भरने की

प्रतिबंध लगाने के बाद उसके लिए अमेरिकी बैंकों के जरिए डॉलर में लेन-देन करना मुश्किल हो सकता है। यानी अगर कोई विदेशी कंपनी



इजाजत नहीं देगा। ईरानी सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहम्मद मुखबर ने कहा कि- 'पश्चिम एशिया में उड़ानें या तो सभी के लिए खुली रहेंगी या फिर किसी के लिए नहीं।' दरअसल, अमेरिका ने 23 सितंबर को ईरान की सभी एयरलाइंस पर रोक लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद यूएई और ओमान समेत कई देशों ने ईरान से आने-जाने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है। ईरान से रोजाना औसतन 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं। फिलहाल यहां पता नहीं चला है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद से कितने ईरानी विमानों के उड़ान पर असर पड़ा है। अमेरिका ने विदेशी कंपनियों पर एक्शन की धमकी दी-अमेरिका ने विदेशी कंपनियों को भी चेतावनी दी थी कि अगर वे ईरानी विमानों को ईंधन, लैंडिंग की सुविधा या टिकट उपलब्ध कराती हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। ऐसी कंपनियों को अमेरिकी डॉलर की वित्तीय व्यवस्था से बाहर किया जा सकता है। यानी अमेरिका का दबाव सिर्फ ईरानी एयरलाइंस तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी मदद करने वाली विदेशी कंपनियों भी इसके दायरे में हैं। अमेरिका जिस डॉलर सिस्टम की बात कर रहा है, उसका मतलब अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था से है। किसी कंपनी पर अमेरिकी

ईरानी एयरलाइन को ईंधन या दूसरी सुविधाएं देती है, तो उसे अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था तक अपनी पहुंच खोने का खतरा रहेगा। ईरान ने अमेरिका का आदेश न मानने की अपील की-इससे पहले ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने भी पड़ोसी देशों से अमेरिका आदेश नहीं मानने की अपील की थी। उन्होंने बुधवार को कहा था कि जो देश अमेरिका के साथ मिलकर ईरानी उड़ानों पर रोक लगाएंगे, उनके एयरपोर्ट से भी ईरान के लिए कोई उड़ान नहीं चलने दी जाएगी। ईरान दूसरे देशों की उड़ानें कैसे रोक सकता है? ईरान के पास सीधे किसी दूसरे देश का एयरपोर्ट या एयरस्पेस बंद करने का अधिकार नहीं है। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान ने अभी यह साफ नहीं किया है कि वह ऐसा कैसे करेगा। हालांकि, ईरान पहले भी सैन्य कार्रवाई के जरिए इलाके में हवाई यातायात प्रभावित कर चुका है। 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजराइल और ईरान के संघर्ष के शुरुआती दिनों में ईरान ने कतर, सऊदी अरब, यूएई, कुवैत, बहरीन, ओमान और जॉर्डन पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इसके बाद इन देशों ने कुछ समय के लिए अपना एयरस्पेस पूरी तरह या कुछ हिस्सों में बंद कर दिया था।

यूपी में दो दिन से आंधी/बारिश-13 मौतें,अर्नब चक्रवात का असर

नई दिल्ली। अर्नब चक्रवात के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भी करीब 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। 40-50 किमी/घंटे की हवाएं चल रही हैं। भारी बारिश और मौसम विभाग के अलर्ट के बीच कई जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। प्रयागराज, अयोध्या, बाराबंकी, अलीगढ़, बरेली, एटा, हापड़, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, सिद्धार्थनगर, पीलीभीत, गोडा,

हमीरपुर, उन्नाव, बिजनौर, अंबेडकरनगर, मधोही, मैनपुरी, कानपुर देहात, मिर्जापुर, कोशांबी, नांद और चित्रकूट समेत कई जिलों में अलग-अलग कक्षाओं तक के स्कूलों में 26 सितंबर को अवकाश घोषित किया गया है। कुछ जिलों में 27 सितंबर को भी स्कूल बंद रखने के निर्देश हैं। श्रावस्ती में भारी बारिश और राप्ती नदी के जलस्तर को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश के चलते अगाल-अगाल हिमालय में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। 32 जिलों में बाढ़ का खतरा है। लखनऊ के कई इलाकों में सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया है। घरो के अंदर पानी घुस गया है। आंधी में देर किए गए हैं।

समूह की शक्ति सदैव अपराजेय होती है-अवधेश कुमार सिंह, गढ़वा घाट नाविक सहकारी समिति रमना की बैठक संपन्न हुई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी।गुरुवार को सहायक आयुक्त सुरेंद्र कुमार मौर्य के निर्देश

रजिस्ट्रेशन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ था.. इस क्रम में सहायक आयुक्त के निर्देश पर

और तैवर देती है.. सहकारिता परिवार में हम अपने नये साथियों का स्वागत करते हैं।मुख्य प्रवर्तक



पर अपर जिला सहकारी अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने अपनी उपस्थिति में गढ़वा घाट नाविक सहकारी समिति रमना की बैठक संपन्न करई- बैठक में मुख्य प्रवर्तक मनोज साहनी तथा प्रस्तावित सचिव पंकज साहनी भी उपस्थित रहे- उल्लेखनीय है कि समिति के

अवधेश कुमार सिंह एडीसीओ को ऑर्गेनाइजर के रूप में समिति की बैठक कराने हेतु निर्देशित किया गया था। बैठक में अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि कलयुग में समूह में ही शक्ति है और समूह की शक्ति सदैव ही अपराजेय रही है.सहकारिता समूह को एक ताकत

मनोज साहनी ने बैठक में समिति के उद्देश्यो और संकल्पो के बारे में बताया तथा सचिव पंकज ने कार्यवाई को लिपिबद्ध किया। बैठक में अन्य लोगों में पमालाल यादव, मंगल राम, जितेंद्र साहनी, राहुल साहनी, रानी देवी, धर्मवीर और फूलचंद इत्यादि उपस्थित रहे।

मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितों एवं कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा,पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने तथा उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश
प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसके अधिकारों एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए- रमेश चन्द्र कुंडे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 सदस्य, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आयोग रमेश चन्द्र कुंडे

अनुरूप सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पहुंचाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसके अधिकारों एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जाए। साथ



ने आज जनपद भ्रमण के दौरान निरीक्षण भवन में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक के दौरान मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति एवं पात्र लाभार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे लाभ की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के

भी पात्र व्यक्ति किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाए। मा0 सदस्य ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ितों को नियमानुसार आवश्यक सहायता एवं न्याय दिलाया की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक

ही, किसी भी व्यक्ति के साथ उत्पीड़न अथवा भेदभाव की स्थिति उत्पन्न न हो।

उन्होंने अधिकारियों से शासन की मंशा के अनुरूप पूरी संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी आर0वी0 सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर आशेष निगम, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार रावत, परियोजना निदेशक इंड्रा शशि कुमार मेहरोत्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राइजिंग चाइल्ड स्कूल में गुंजा संपूर्ण वंदे मातरम्, सामूहिक गायन से राष्ट्रभक्ति का संदेश, 'वंदे मातरम्' हमारी मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय एकता का स्वर : अरविंद श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शहर के प्रभुठाउन



स्थित राइजिंग चाइल्ड स्कूल में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक एवं संपूर्ण वंदे

को देशभर में सामूहिक रूप से संपूर्ण वंदे मातरम् के गायन का आयोजन किया जा रहा है। इसी

एकता और मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना बाल्यावस्था से ही विकसित हो। विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा देने का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और राष्ट्रभावना के निर्माण का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। वंदे मातरम् का सामूहिक गायन विद्यार्थियों को भारत की गौरवशाली परंपरा, स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि के प्रति अपने कर्तव्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में अनुशासन, एकता और देश के प्रति गौरव की भावना को और मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से शालिनी सिंह, शिक्षा कान्यनात सहित समस्त शिक्षिकाओं ने संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत रहा। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रवींद्रनाथ हरि, सावन गुप्ता सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मातरम् गायन कार्यक्रम भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में विद्या भारती से लालकृष्ण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अरविंद श्रीवास्तव, एडवोकेट ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक राष्ट्रगीत नहीं, बल्कि भारत की मातृभूमि

राष्ट्रव्यापी अभियान के क्रम में राइजिंग चाइल्ड स्कूल में भी संपूर्ण वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर नई पीढ़ी को संपूर्ण वंदे मातरम् गीत का ज्ञान एवं भाव समझना चाहिए। विद्यालयों की प्रार्थना सभा में भी वंदे मातरम् को नियमित रूप से

एक समय-एक लय-एक स्वर में गुंजा 'वंदे मातरम्', 2127 प्रतिभागियों ने किया सामूहिक गायन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। सरस्वती विद्या

डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह, प्रोफेसर, इवनिंग क्रिश्चियन कॉलेज,



मंदिर माधव ज्ञान केंद्र, नैनी, प्रयागराज में विद्या भारती अखिल

प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि श्री अजय कुमार गिरि, सह जिला



भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित 'नमामि भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष' के अवसर पर शुक्रवार, 25 सितंबर 2026 को प्रातः ठीक 11 बजे 'एक समय, एक लय, एक स्वर-वंदे मातरम्' सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय

विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज, कार्यक्रम अध्यक्ष श्री पवन कुमार पांडे, यातायात निरीक्षक, भारतीय रेलवे तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय

परिसर राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत हो उठा।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्री अजय कुमार मिश्र ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अध्यक्ष, सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

लड़का ही करता था लड़की बनकर फोन पर बात होने वाली पत्नी का भेजता था फोटो.होने वाला दमाद और मंगेतर एवं कथित सांस मिलकर करते थे फ्रॉड
डिजिटल अरेस्ट कर सेवानिवृत्त अधिकारी से 2 करोड़ 36 लाख की ठगी, मुख्य अभियुक्त सहित 3 गिरफ्तार; 75 लाख होल्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के विरुद्ध

एसपी द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री ऋषभ रुणवाल को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। पीड़ित से विस्तृत

एवं एक्सटॉर्शन करने वाले मुख्य अभियुक्त को प्रयागराज स्थित ओमैक्स अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की



चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर क्राइम थाना सोनभद्र को बड़ी सफलता मिली है। थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक सेवानिवृत्त व्यक्ति से लगभग 02 करोड़ 36 लाख रुपये की धनराशि द्वांसफर कराने वाले गिरोह के मुख्य अभियुक्त सहित 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की फ्रॉड हुई धनराशि में से 75 लाख रुपये होल्ड/फ्रीज कराए गए हैं। अभियुक्त

पूछताछ में जानकारी हुई कि हायर ज्यूडिशियरी एवं शासन के अधिकारियों का भय दिखाकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया था तथा आरोपियों द्वारा उनसे तीन अलग-अलग बैंक खातों में लगभग 02 करोड़ 36 लाख रुपये द्वांसफर करा लिए गए थे। आरोपियों द्वारा लगातार और धनराशि की मांग की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल संबंधित बैंक अधिकारियों से संपर्क कर भुक्तभोगी के मोबाइल

निशानदेही पर एक्सटॉर्शन की धनराशि से खरीदी गई 01 अदद टाटा हैरियर कार एवं 2,10,000- नकद बरामद किए गए। प्रकरण में एक्सटॉर्शन में सहयोग करने वाली 02 महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा पीड़ित की फ्रॉड हुई धनराशि में से ₹75,00,000/- (पचहत्तर लाख रुपये) होल्ड/फ्रीज कराए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण-1. अरुण कुमार दुबे पुत्र हर्ष प्रसाद दुबे, निवासी बिजनपुर कलना, सुनार,

ठगी की रकम से खरीदी गई टाटा हैरियर कार, 2.10 लाख नकद और फर्जी हाईकोर्ट अधिवक्ता की आईडी बरामद, AI तकनीक से डीपफेक इमेज और फर्जी दस्तावेज बनाकर करता था ठगी

फोन एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट अधिवक्ता का फर्जी आईडी कार्ड बरामद किया गया है। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण:-दिनांक 22.09.2026 को भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक द्वारा साइबर क्राइम थाना सोनभद्र को सूचना दी गई कि एक सेवानिवृत्त कर्मचारी बार-बार किसी व्यक्ति को धनराशि द्वांसफर कर रहा है। पूछताछ में वह स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा था और उसकी स्थिति से प्रतीत हो रहा था कि वह किसी के दबाव में फोन पर बताए गए खातों में धनराशि द्वांसफर कर रहा है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र कुमार चौधरी मय टीम बैंक पहुंचे, लेकिन तब तक उक्त व्यक्ति बैंक से जा चुके थे। पुलिस द्वारा उनकी तलाश कराई गई तथा पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया गया।

के संबंध में जागरूक कर उसका प्रार्थना पत्र प्राप्त किया गया, जिसके आधार पर थाना साइबर क्राइम, जनपद सोनभद्र पर सुसंगत थाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही संबंधित बैंक में अलर्ट लगाते हुए एक्सटॉर्शन में प्रयुक्त मोबाइल नंबरों एवं बैंक खातों की निगरानी हेतु साइबर थाना एवं साइबर सेल वेंड कर्मचारियों को लगाया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में 03 पुलिस टीमों का गठन कर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा इलेक्ट्रॉनिक एवं अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर लगातार प्रयास करते हुए एआई तकनीक का दुरुपयोग कर डीप फेक इमेजेज एवं फर्जी डाक्यूमेंट्स तैयार कर ब्लैकमेलिंग

स्व0 संतोष कुमार मिश्रा, निवासी घोड़ागली, श्रीवर्धन, रायगढ़, महाराष्ट्र। बरामदगी का विवरण - 05 अदद एड्डोयस मोबाइल फोन। ₹2,10,000/- (दो लाख दस हजार रुपये) नकद। 01 अदद इलाहाबाद हाईकोर्ट अधिवक्ता का फर्जी आईडी कार्ड। एक्सटॉर्शन की धनराशि से खरीदी गई 01 अदद टाटा हैरियर कार।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रॉनो धीरेन्द्र कुमार चौधरी, साइबर थाना/साइबर सेल, सोनभद्र। 2. प्रॉनो नागेश कुमार सिंह, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3. उ०नो बृजेश दुबे, साइबर थाना, सोनभद्र। 4. हे०का० संजय वर्मा, साइबर, थाना, सोनभद्र। 5. हे०का० मनीष सिंह, स्वा०टीम, सोनभद्र। 6. का० जय प्रकाश सरोज, स्वा०टीम, सोनभद्र। 7. का० सुनील रावत, साइबर सेल, सोनभद्र।



श्रद्धांजलि एवं शोक संदेश

आधुनिक समाचार के नियमित पाठक एवं टीम के आत्मीय मित्र, बॉलीवुड अभिनेता जनाब मुश्ताक खान जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। बीते गुरुवार को उनके देहांत की दुःखद सूचना मिलीईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोककुल परिजनों, मित्रों एवं प्रशंसकों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति दें।विनम्र श्रद्धांजलि।ॐ शांति।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से हजारों परिवारों का हुआ अपना पक्का घर का सपना साकार
प्रथम चरण में 10,628 तथा द्वितीय चरण में 4,797 लाभार्थियों को मिला योजना का लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रधानमंत्री आवास

कराते हुए उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। योजना के माध्यम



योजना (शहरी) के माध्यम से जनपद के शहरी क्षेत्रों में पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का

से पात्र लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपने परिवार के लिए सुरक्षित एवं स्थायी आवास का निर्माण कर सकें।जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग द्वारा योजना के क्रियान्वयन की निरंतर समीक्षा की जा रही है, ताकि पात्र लाभार्थियों को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध

आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को आवास निर्माण के लिए 31.11.2026 सहित उपलब्ध कराकर उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के प्रथम चरण के अंतर्गत जनपद में 10,628 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। वहीं योजना के द्वितीय चरण में अब तक 4,797 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया जा चुका है। इस प्रकार दोनों चरणों में कुल 15,425 लाभार्थी योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में आवासहीन एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध

योजना का लाभ वास्तविक रूप से पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से जनपद में बड़ी संख्या में परिवारों को अपने स्वयं के पक्के आवास की सुविधा प्राप्त हुई है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से लाभार्थियों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा एवं बेहतर प्रशस्त हुआ है।

आवास उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी कार्य किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत आर्थिक

एवं पारदर्शी तरीके से योजना का लाभ प्राप्त हो सके। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि



योजना का लाभ वास्तविक रूप से पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से जनपद में बड़ी संख्या में परिवारों को अपने स्वयं के पक्के आवास की सुविधा प्राप्त हुई है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से लाभार्थियों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा एवं बेहतर प्रशस्त हुआ है।

यूपी में जोरदार बारिश, 32 जिलों में बाढ़ का खतरा:लखनऊ में 30 घंटे से बरसात

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात 'अर्नब' से यूपी में मौसम बिगड़ गया है। लखनऊ, गोरखपुर समेत 32 जिलों में अवानक बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। राहत आयुक्त ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोग सतर्क रहें। नदी के किनारों से दूर रहें। बारिश के बीच जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।इधर, 54 शहरों में 24 घंटे से रुक-रुक कर जोरदार बारिश हो रही है। लखनऊ में 30 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। अमेठी में पुलिस जगह-जगह अनाउस कर रही है कि जलभराव वाले इलाकों से दूर रहें। लखनऊ में सुबह से अंधेरा छाया है। ग्रामीण इलाकों में तेज हवाओं से फसलें गिर गई हैं। खेतों में पानी भर गया है।

सीएम योगी ने अफसरों को फील्ड में उतरने का निर्देश दिया है। इधर, ललितपुर में लगातार हो रही बारिश से जामनी नदी उफान पर है। कुश्नान घाट के पास पुल डूब जाने से पानी के तेज बहाव में एक पेट्रोल टैंकर फंस गया। बहकर नदी के किनारे लटक गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से टैंकर को सुरक्षित बाहर निकाला। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से उठे इस चक्रवाती तूफान की वजह से यूपी, बिहार, एमपी और आसपास के राज्यों में मौसमी गतिविधियां तेज हुई हैं। इसका असर 27 सितंबर तक रहेगा।पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 71.6 मिमी बारिश बलरामपुर में हुई।

सेक्टर-63 में गुंजा ‘भगवान विश्वकर्मा जी की जय’ का जयघोष, श्रद्धा और उत्साह से संपन्न हुआ पूजा समारोह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री विश्वकर्मा सेवा न्यास (रजि.) की ओर से सेक्टर-63 के

एनसीआर हलचल न्यूज़ की टीम के अनिल शर्मा, राजेश राय, जोगिंदर शर्मा एवं सोमवीर ने विशेष



जे-19 पार्क में आयोजित दो दिवसीय विश्वकर्मा पूजा समारोह-2026 श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान विश्वकर्मा जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। समारोह में नोएडा विधायक प्रतिनिधि अनिल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार स्वास्तिक सहारा के ब्यूरो चीफ प्रफुल्ल पाण्डेय, हरीकिशोर, राजेश राय, मनोज उपाध्याय, सुमेर सिंह एवं सोमवीर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पाण्डेय ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा जी सृजन, निर्माण, कर्म और कौशल के प्रतीक हैं। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में सेवा, समर्पण और आपसी भाईचारे को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने के साथ संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। बड़ी भजन संध्या में सीमा शर्मा एवं पामी शर्मा ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दीं। अतिथियों का भगवान विश्वकर्मा जी के अंगवस्त्र से सम्मान किया गया।

आईएमएस नोएडा में डिस्ट्रिक्ट फ्ले क्रिएटर्स लीग के मुकाबलों में दिखा रोमांच,आईएमएस वॉरियर्स ने लोको एफसी को 10-0 से हराया

मिंगसन चैंपियंस और स्टेलरिन एफसी ने भी दर्ज की शानदार जीत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में आयोजित डिस्ट्रिक्ट फ्ले क्रिएटर्स लीग के



नॉकआउट चरण के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया।

शनिवार की शाम को खेले गए मुकाबलों में टीमों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन पासिंग, आक्रामक खेल और मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

पहले मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लोको एफसी को 10-0 के बड़े अंतर से हराया। पूरे मुकाबले में आईएमएस वॉरियर्स के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला और टीम ने लगातार गोल करते हुए मुकाबले को एकतरफा बना दिया। दूसरे मुकाबले में यूजुअल सस्पेक्टस एफसी और विक्कर्म स्पोटर्स एफसी के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों

मिंगसन चैंपियंस और एरियन्स एफसी के बीच हुए मुकाबले में भी गोलों की बारिश देखने को मिली। मिंगसन चैंपियंस ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 5-3 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने लगातार आक्रमण किए और दर्शकों को रोमांचक फुटबॉल देखने को मिली।

सेमीफाइनल के एक अन्य मुकाबले में स्टेलरिन एफसी ने एससी दिल्ली क्रिएटर्स को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। स्टेलरिन एफसी ने पूरे मैच में बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया। इन मुकाबलों के परिणामों के बाद लीग का रोमांच और बढ़ गया है।खिलाड़ियों और टीमों की निगाहें अब अगले चरण में बेहतर प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर कदम बढ़ाने पर हैं।

पॉकेट 7 शिव मंदिर पर धूमधाम से मनाई गई राधा अष्टमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-7 के शिव मंदिर में राधा अष्टमी

संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर भाँक भाव से राधा रानी का गुणगान किया। कार्यक्रम



का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक ढंग से फूलों एवं रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। राधा अष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में संगीत मंडली द्वारा भव्य भजन संध्या एवं कीर्तन का आयोजन किया गया। भजनो और कीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। बड़ी

के अंत में विधिवत आरती की गई तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान देवेंद्र कुमार गुप्ता, देव मणि शुक्ल,सुशील कुमार पाल, उत्तम चंद्रा, किशोर कपूर, रवि राघव, आयुष तिवारी, विकास कुमार, अंगद सिंह तोमर, संजय पांडेय, विष्णु शर्मा, हरि शंकर सिंह, रमेश चंद्र शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा भव्य रामलीला के लिए भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा के 41 वर्षों की गौरवशाली एवं सार्थक यात्रा को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष भी भव्य

संजय गुप्ता, संजय गोयल, ओमवीर आवाना सुशील भारद्वाज आर.के अग्रवाल,, डा. वी. के गुप्ता, राकेश कयाल, एस.के सिंघल, विनोद शर्मा, अर्चना राय,



रामलीला का आयोजन किया जाएगा। रामलीला आयोजन की तैयारियों के क्रम में आज दिनांक 20.09.2026 को नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21ए में विधि-विधान एवं

मीनाक्षी शर्मा, मीनाक्षी चौहान, सान्या चौधरी, सुमिता, पुष्पा रावत, नीलू जैन, विपिन बंसल, ओ.पी गुप्ता, राधाकिशन गर्ग, अल्पेश गर्ग, एन. के. अग्रवाल,



मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया तथा रामलीला के ध्वज का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की और आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पंकज सिंह उपमुख्य अतिथि, महेश चौहान, जिला अध्यक्ष, श्रीमती विमला बाथम, पूर्व विधायक कैप्टन विकास गुप्ता, मधुसूदन दादू, पीयूष द्विवेदी, एच.पी सिंह परिहार, एस.पी जैन, पंकज जिंदल, मुकेश गुप्ता, प्रताप मेहता, डा. वी.एस चौहान, हरीश वर्मा, मुकेश शमा, रविकांत मिश्रा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों के रूप में कार्यक्रम में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के अध्यक्ष, टी. एन. चौरसिया, श्री टी.एन. गोविल, महासचिव संजय बाली, विकास अग्रवाल,

सौरभ गोविल, प्रमोद रंगा, एस.के.राणा, मुकेश गुप्ता, डी.के मिततल, लोकेश कश्यप, विनय शर्मा, अभित त्यागी, धर्मन्द्र चौहान, श्रेया चर्तुव्हेदी, रोहित ठाकुर, पुनीत शुक्ला, प्रज्ञा पाठक, नरेन्द्र चोपड़ा, भूपेन्द्र सिंह सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। समिति वें पदाधिकारियों ने कहा कि श्री सनातन धर्म रामलीला समितिए नोएडा भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और सनातन संस्कृति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। इस वर्ष भी रामलीला को भव्य, गरिमामय एवं श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। समिति ने शहरवासियों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में, रामलीला में पहुंचकर भगवान श्रीराम के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लें और आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। रामलीला का मंचन दिनांक 11 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक होगा एवं विजयदशमी का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के मण्डलाध्यक्षों के कार्यों की की समीक्षा, लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति पर दिया जोर

जनसेवा से डिजिटल सेवा तक, नवाचार द्वारा बदलते भारत के साथ कदमताल कर रहा डाक विभाग - पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव उत्तर गुजरात में डाकघरों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु आरंभ ‘पोस्टल वारियर्स अभियान’ की पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने की गहन समीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बनारसकांठा। ‘डिजिटल इंडिया’ की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय डाक अपने व्यापक नेटवर्क को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ते हुए सेवा वितरण को अधिक सरल, त्वरित, सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। डिजिटल तकनीकों के समावेश से डाकघरों में सेवाओं की दक्षता बढ़ी है और ग्राहकों को अनेक सुविधाएँ अधिक सुगमता एवं सुविधा के साथ उपलब्ध हो रही हैं। जनसेवा से डिजिटल सेवा तक, बदलते भारत के साथ निरंतर डाक विभाग कदमताल कर रहा है।



सुरक्षित निवेश, सुनिश्चित रिटर्न और आकर्षक ब्याज दरों के चलते डाकघर की बचत योजनाएँ आज भी लोगों के बीच विश्वास और लोकप्रियता का प्रमुख आधार बनी

मेल्स, पार्सल, इंटरनेशनल मेल, बचत बैंक सेवाएँ, डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा, नारिकर केन्द्रित सेवाएँ- आधार, पासपोर्ट, फिलेटली और इण्डिया

पोस्ट और पार्सल के त्वरित वितरण, पीएम विश्वकर्मा टूल किट्स की डोर स्टैप डिलीवरी की सतत मॉनिटरिंग, सेवाओं की प्रभावी मार्केटिंग रणनीति बनाने, सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण, इण्डिया पोस्ट



हुई हैं। उक्त उद्गार उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने ‘मेघदूतम् सभाकक्ष, क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद में आयोजित मण्डलाध्यक्षों एवं उपमंडलाध्यक्षों,

पोस्ट पेमेंट्स बैंक शामिल रही। उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि समग्र वित्तीय वर्ष 2026-27 के राजस्व लक्ष्य 349.51 करोड़ के सापेक्ष अगस्त-2026 तक उत्तर गुजरात डाक परिक्षेत्र ने 110.85

पेमेंट्स बैंक के माध्यम से सुगम डिजिटल बैंकिंग पर भी जोर दिया। इस बैठक के दौरान पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के समक्ष विभिन्न मंडलों वें अधिकारियों द्वारा अपने-अपने

महापद्मनन्द वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम.डब्ल्यू.ओ) का बड़ा संगठनात्मक नियुक्ति,शिक्षक श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा बने महाराष्ट्र इकाई के सचिव, संगठन में हर्ष की लहर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अमेठी/मुंबई। समाज सेवा, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय महापद्मनन्द वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (एम.डब्ल्यू.ओ) ने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।



संगठन की केन्द्रीय कमेटी ने महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा की संस्तुति पर पेशे से शिक्षक श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा को महाराष्ट्र इकाई में सचिव पद पर निर्वाचित / नियुक्त / मनोनीत किया है। इस संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा द्वारा जारी संगठनात्मक दायित्व पत्र (पत्रांक - नि./महा./003/2026) में कहा गया है कि श्री रवीन्द्र नाथ शर्मा वें उल्लूगुष्ट व्यक्तित्व, सामाजिक सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा, सेवा-भाव, नेतृत्व क्षमता एवं समाज हित के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। रवीन्द्र नाथ शर्मा मूल रूप से ग्राम तेजपुर, पोस्ट- कुसरना, तहसील- केराकत, जिला- जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के निवासी हैं तथा वर्तमान

संविधान, उद्देश्य, मर्यादा एवं अनुशासन का पालन करते हुए समाज की एकता, शिक्षा, रक्तदान, जनकल्याण तथा संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा, ‘यह दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज एवं संगठन के प्रति एक पवित्र उत्तरदायित्व और सेवा का संकल्प है।’ उन्होंने श्री शर्मा को उज्ज्वल कार्यकाल की, हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। श्री शर्मा की नियुक्ति पर एम.डब्ल्यू.ओ परिवार सहित महाराष्ट्र के सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त किया है। समाज के लोगों का मानना है कि एक अनुभवी शिक्षक के नेतृत्व में संगठन महाराष्ट्र में शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को छुएगा।

डीएम-एसपी ने तहसील डलमऊ में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियारियों की सुनी समस्याएं,शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी - डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 63 शिकायतें आयी, 07 का तत्काल हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में तहसील डलमऊ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जन



सामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वाच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना

अन्य 07 कुल 63 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 07 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सुना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार शुक्ला, उपजिलाधिकारी डलमऊ प्रतीति सिंह, क्षेत्राधिकारी डलमऊ पिरिजा शंकर त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जल्दी में बनाया गया वो इंफ्रास्ट्रक्चर किस काम का, जो टिका ही नहीं?

ये सच है कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार हुआ है। लेकिन परियोजनाओं के पूरा होने के चंद दिनों में ही उनमें लगातार सामने आ रही खामियां चिंता का विषय हैं। भारी-भरकम बजट से तैयार और हाल ही में शुरू हुए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे में सर्फस स्लिपेज, दरारें पड़ने, जमीन धंसने और गड्ढे होने की कई घटनाएं सामने



आई हैं। इससे पहले दिल्ली-देहरादून और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे में भी ऐसा ही हुआ था। इन घटनाओं में हुआ आर्थिक नुकसान करोड़ों में है, लेकिन इससे जनता और सरकार के बीच आई भरोसे की कमी कहीं ज्यादा बड़ी क्षति है। 3 मई 2026 की रात भागलपुर के पास विक्रमशिला सेतु का 33 मीटर लंबा स्लैब टूटकर गिर गया। 4.7 किलोमीटर लंबे पुल के दो हिस्सों में बंटने से दक्षिण और उत्तर बिहार का सड़क-लैंक टूट गया। जब तक सेना और बीआरओ ने मिलकर बैल्टी ब्रिज नहीं बनाया, यात्रियों को 161 किलोमीटर लंबे वैकल्पिक मार्ग से जाना पड़ा और फिर नावों का सहारा लेना पड़ा। 2022 से 2024 के बीच अगुवानी से सुल्तानगंज के बीच बन रहा पुल भी तीन बार ढहा। मई 2025

में वेस्टरल में एनएच-66 वेस्ट रामानाडुकरा-बलंचेरी स्ट्रुच पर प्रोजेक्ट पूरा होने वाला ही था कि एक रीइन्फोर्सड अर्थ वॉल ढह गई। अगस्त 2025 में हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बीच चक्की ब्रिज कॉरिडोर पर कुछ महीने पहले ही बनी 100 मीटर लंबी प्रोटेक्शन वॉल टूट गई। हाल ही में मध्य रेलवे (सीआर) के भोरघाट सेक्शन में ठाकुरवाड़ी और मंकी हिल के बीच हुए भूस्खलन ने भारी क्षति

रूपया वो है, जो नया इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने या मौजूदा ढांचों की मरम्मत में काम आ सकता था। इसमें बहुत-सी अप्रत्यक्ष लागत भी जुड़ जाती है। मसलन, डायवर्जन के फेर में माल ढुलाई में देरी होती है, घंटों के अतिरिक्त चक्कर में उत्पादकता घटती है और जिन कामों के लिए पुल बने थे, वे अब फिशिंग बोट से करने पड़ते हैं। चूंकि सरकारी टेंडर सबसे कम बोली लगाने वाले ठेकेदार को दिए जाते हैं, इसलिए गुणवत्ता प्रभावित होती है। जो ठेकेदार बहुत कम बोली लगाकर प्रोजेक्ट हासिल करते हैं, उनमें पास मुनाफा निकालने का एक ही रास्ता बचता है-मर्टरियल, जमीन की जांच और निर्माण कार्य में कटौती। डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट और ग्राउंड असेसमेंट हर प्रोजेक्ट की रीढ़ होते हैं। लेकिन अकसर इन्हें पिछली परियोजनाओं की रिपोर्ट से ही बना लिया जाता है। बस नई जगह की भौगोलिक स्थिति, वाटर टेबल या बाढ़ की हिस्ट्री के हिसाब से छोटे-मोटे बदलाव किए जाते हैं। स्वतंत्र इंजीनियरों का काम

पहुंवाई। 50-60 मीटर रेलवे लाइन बह गई। 30 ट्रेनें रह गईं। ये अलग-अलग जगहों पर दुर्भाग्यवश हुए मामले नहीं हैं। भू-तकनीकी जांच की कमी, ग्राउंड-इम्पूवमेंट उपायों की अनदेखी, ड्रेनेज के पर्याप्त इंतजाम नहीं करना, ऐसे इलाकों में रीइन्फोर्सड-सॉइल वॉल तकनीक का इस्तेमाल, जहां वह उपयुक्त ही नहीं थी-ये ऐसी खामियां हैं, जिन्हें इन घटनाओं का कारण माना जा सकता है। एक अन्य बड़ा कारण डिजाइनरों, कंपनियों, स्वतंत्र इंजीनियरों और एनएचआई के फील्ड कर्मचारियों के बीच सुपरवाइजरी ढांचे का इतना बिखरा हुआ होना है कि कुछ गलत होता है तो किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती। जिस दीवार, सड़क या पुल के हिस्से को ढहना ही नहीं चाहिए था, उसे दोबारा बनाने में खर्च हुआ हर

कंक्रिट डालने से पहले इन कमीयों को पकड़ने का होता है। लेकिन अकसर उनके पास ऐसे अनुभव या अधिकार का अभाव होता है, जिसमें वे परियोजना को रोक सकें। रीइन्फोर्सड वॉल और पुलों की डिजाइन की जांच होनी चाहिए। यह महज सामान्य डीपीआर के अनुमानों पर नहीं, बल्कि पुष्ट मुद्रा परीक्षण और कम से कम एक दशक के मानसून और बाढ़ के आंकड़ों पर आधारित होनी चाहिए। अन्य तकनीकी सुधारों के अलावा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की गति पर गर्व करना और उसका महिमामंडन बंद करना चाहिए। हमें क्वांटिटी से अधिक क्वालिटी, दिखावटी से अधिक टिकाऊपन और जल्दबाजी से अधिक प्रभावशीलता को महत्व देना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं, राघव चंद्रा)

96 साल के बर्फ बोले-कमाने से ज्यादा मजा बांटने में,पिता प्लंबर होते तो निवेशक न बनता, मेरी सफलता में टैलेंट से ज्यादा किस्मत

न्यूयॉर्क। दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने अपनी सफलता का बड़ा श्रेय किस्मत को दिया है। करीब 147 अरब

धरती पर मौजूद 8 अरब लोगों में मैं सबसे खुशनसीब 10 लोगों में शामिल हूँ। लोग मेरी सफलता को मेहनत व काबिलियत से जोड़ते



डॉलर (14.15 लाख करोड़ रुपए) नेटवर्थ वाले बफेट ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी कामयाबी में

हैं, लेकिन मैं इसे जन्मजात मौका मानता हूँ। अगर मेरे पिता प्लम्बर होते, तो शायद मैं यहाँ नहीं होता।



टैलेंट या मेहनत जितना ही रोल 'लक' का रहा। अगले महीने 96 साल के होने वाले वॉरेन बफेट ने कहा कि लंबी उम्र ने उन्हें दशकों तक संपत्ति बनाने का मौका दिया। यह भी किस्मत का ही खेल है। बफेट ने अपने शुरुआती जीवन, अवसरों, जन्म की परिस्थितियों व परोपकार पर चर्चा की। पढ़िए इस इंटरव्यू के खास अंश-ब्लूमबर्ग बिलियनेयरर्स इंडेक्स के मुताबिक बफे दुनिया के 10वें सबसे अमीर हैं, 80फीसदी वक्त किताबें- रिपोर्ट्स पढ़ने में बिताते हैं। मैं अक्सर कहता हूँ कि इस

मेरे पिता हॉवर्ड बफेट स्टॉकब्रोकर थे और उन्हीं की वजह से मुझे कम उम्र में निवेश से लगाव हो गया। 11 साल की उम्र में मैंने 'सिटीज सर्विसेस' के तीन शेयर खरीदे थे। यह असाधारण बुद्धिमत्ता नहीं थी, बल्कि सही माहौल और अवसर मिलने का सुखद संयोग था। अमेरिका में जन्म, श्वेत पुरुष होना और वित्तीय समझ वाले परिवार से होना विशेषाधिकार था। साथ ही इस 'जन्मजात मौके' ने मुझे वह आत्मविश्वास दिया जिससे मैं 32 साल की उम्र में पहला मिलियन डॉलर यानी 10 लाख डॉलर कमा

बैकग्राउंड क्या है, मौके कितने मिले- ये बातें कई बार टैलेंट से ज्यादा असर डालती हैं। मैंने जितनी दौलत कमाई, उससे भी ज्यादा समय तक उसे बढ़ाने का मौका पाया। अब उम्र के असर से याददाश्त कमजोर पड़ रही है, लेकिन निवेश का आनंद आज भी बरकरार है। पिछले साल बर्कशायर के सीईओ का पद ग्रेग एबेल को सौंपने के बावजूद दिल आज भी काम में ही धड़कता है। पर असली मजा सिर्फ दौलत कमाने में नहीं, उसे बांटने में है। 'द गिविंग प्लेज' के तहत 99फीसदी संपत्ति दान करने के वादे के साथ मैंने गेट्स फाउंडेशन को 4.52 करोड़ रुपए दिए। पर अब मेरी राहें अलग हैं, क्योंकि इसानों की पहचान में कोई 100फीसदी सही नहीं होता... गलतियाँ सभी से होती हैं। मुझसे भी हुई। अब मेरी सोच स्पष्ट है। संपत्ति का बड़ा हिस्सा दिवंगत पत्नी के नाम पर बने सुसान थॉमसन बफेट फाउंडेशन और अपने बच्चों द्वारा संचालित फाउंडेशन्स को दे रहा हूँ। उम्र लगातार बढ़ रही है और बच्चे भी उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जहां फैंसले टालना ठीक नहीं। इसलिए मैंने परोपकारी योजना की रफ्तार बढ़ा दी है। मेरी इच्छा है कि 31 दिसंबर 2034 तक मेरी पूरी संपत्ति समाज हित में सही संस्थाओं तक पहुँच जाए। पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि मेरी सफलता में सही समय, सही मौके और किस्मत का बड़ा योगदान रहा है।-वॉरेन

अभिमत

प्रयागराज, रविवार 27 सितम्बर 2026 से 03 अक्टूबर 2026 तक

एआई जॉब्स में बढ़त चाहिए तो एंथ्रोपोलॉजी और फिलॉसफी पढ़ें

हममें से कितने लोग जानते हैं कि अकेली कंप्यूटर साईंस की डिग्री अब जॉब मार्केट का 'गोल्डन

बीच' के महत्वपूर्ण अंतर को पाट सकते हैं। एंथ्रोपोलॉजी स्टूडेंट्स को सिर्फ बेसिक यूजर

सकते हैं। फिलॉसफी को टेक बैकग्राउंड के साथ मिलाओ तो यह जॉब मार्केट की स्थिति को बेहतर



टिकट' नहीं रही। दुनियाभर के कॉलेजों ने बीते दो दशकों में कंपनियों की जरूरत से कहीं ज्यादा कोडर तैयार कर दिए हैं। एआई ने इस ओवर-सप्लाई को और बदतर कर दिया। फिर भी लगता है कि ज्यादा से ज्यादा लोग यही राह चुन रहे हैं। कम से कम आंकड़े तो यही बताते हैं। एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और सेमीकंडक्टर जैसे विषयों में बढ़ती दिलचस्पी ने 2021 के मुकाबले 2026 में बीटेक में हुए एडमिशन की संख्या को बढ़ा दिया है। इस अखबार की एक डिजाइन रिपोर्ट में भोपाल का जिक्र था, जहां 2026 में एडमिशन की संख्या 49,151 तक पहुंच गई, जबकि 2021 में यह 35,169 थी। ऐसी दुनिया में आज ह्यूमन स्किल बहुत अहम हो गया है, जिसमें एआई ज्यादा जटिल काम कर रहा है और क्षेत्रों को ऐसे तरीकों से बदल रहा है, जिनका हम पूरी तरह अनुमान नहीं लगा सकते। विशेषज्ञों का कहना है कि शायद अब समय आ गया है कि तकनीक के साथ एंथ्रोपोलॉजी, फिलॉसफी और मैथमैटिक्स जैसे कुछ क्लासिक विषयों की पढ़ाई फिर से की जाए या या टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री के बाद मेजर (मुख्य विषय) के तौर पर इनकी पढ़ाई की जाए। एंथ्रोपोलॉजी: यह स्टूडेंट्स को मानव-केंद्रित नजरिया देती है, जो एडवांस डिजिटल लैंडस्केप को बनाने, उन्हें इवैल्यूएट करने और उनमें आगे बढ़ने के लिए जरूरी है। इसानी व्यवहार, रीति-रिवाजों और विविध बैकग्राउंड नजरियों को समझकर स्टूडेंट्स तकनीकी क्षमता और इसानी जरूरतों के

एक्सपीरियंस (यूएक्स) मैट्रिक्स से आगे जाकर यह समझने में मदद करती है कि सांस्कृतिक मान्यताएं कैसे टेक्नोलॉजी एडॉप्शन को आकार देती हैं। टेक कंपनियों और रिसर्च लैब ऐसे लोगों को बड़े पैमाने पर भर्ती करती हैं, जो क्वालिटेटिव ह्यूमन डेटा को क्वांटिटेटिव मैट्रिक्स के साथ जोड़ सकें। एंथ्रोपोलॉजी में प्रशिक्षित स्टूडेंट्स कॉर्पोरेट क्षेत्र में, खासतौर पर इंटरडिसिप्लिनरी जॉब्स के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। मसलन, यूएक्स रिसर्चर्स एंड प्रोडक्ट स्टूटेंजिस्ट, एआई एथिक्स ऑफिसर्स एंड पॉलिसी एडवाइजर्स, डिजाइन एंथ्रोपोलॉजिस्ट एंड डेटा स्टूटेंजिस्ट। फिलॉसफी: कई एआई प्रोजेक्ट खराब कोड की वजह से नहीं, बल्कि इस बात की स्पष्ट सोच न होने के कारण विफल होते हैं कि उस टूल का असल मकसद क्या है। फिलॉसफी, डेवलपर्स को यह सवाल पूछने में मदद करती है कि किसी सिस्टम को बनाने की जरूरत क्यों है, इससे पहले कि वे यह सोचने में जुट जाएं कि उसे ऑप्टिमाइज कैसे करें। यह कॉन्सिटिब ट्रेप से बचने में मदद करती है, खासकर ऐसी दुनिया में जहां एआई तत्काल जवाब देने को बढ़ावा देता है। फिलॉसफी सिखाती है कि अनिश्चितता की स्थिति को कैसे संभाला जाए, कॉन्सिटिब शॉर्टकट्स को कैसे स्कूटनाइज किया जाए और जटिल समस्याओं को हल करते वक्त इसानी पूर्वाग्रहों से कैसे बचा जाए। तकनीकी जानकारी के साथ बायोएथिक्स और फिलॉसफी ऑफ माइंड को मिलाकर पढ़ने से स्टूडेंट्स एआई एथिक्स और गवर्नंस जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों को लीड करने के लिए तैयार हो

सकते हैं। मैथमैटिक्स: एआई मॉडलिंग में काफी मैथ्स शामिल होती है। एआई के जरिए नकल करने वालों की तुलना में वे हाथ से समस्या हल करने का तरीका जानते हैं। आजकल इंटरव्यू में इन टेक स्टूडेंट्स को व्हाइटबोर्ड दिया जाता है और इंटरव्यूअर कंपनी की कोई समस्या बता कर उनसे बोर्ड पर इसका समाधान करने के लिए कहता है। वैसे भी एआई ने वर्चुअल इंटरव्यू को कम भरोसेमंद बना दिया है। जो छात्र हाथ से समस्याएं हल करने की प्रैक्टिस करते हैं, वे इंटरव्यू में अलग नजर आते हैं। ऑनर्स के साथ ग्रेजुएशन करने या कोई अनोखा प्रोजेक्ट पब्लिश करने के लिए आप सिर्फ कोड को कॉपी-पेस्ट नहीं कर सकते। आपको किसी खास डेटा सेट के हिसाब से कस्टम लॉस फंक्शन या ऑप्टिमाइजेशन कंस्ट्रेंट डिजाइन करने होते हैं, जिसके लिए अलजेब्रिक ऑप्टिमाइजेशन की गहरी समझ जरूरी है।कंपस प्लेसमेंट के दौरान टॉप-टियर टेक कंपनियां शायद ही कभी आपसे सिंटैक्स के बारे में पूछती हैं, क्योंकि पाइ-टॉप या टैसर-फ्लो जैसे फ्रेमवर्क लगातार बदलते रहते हैं। इसके बजाय इंटरव्यूअर्स आपकी मूल प्रॉब्लम-सॉल्विंग क्षमताओं को परखते हैं। फंडा यह है कि कॉलेज स्टूडेंट्स और टेक क्षेत्र के एम्प्लॉयों यह समझ रहे हैं कि तेजी से बदलते वर्कप्लेस पर अलग तरह वेर स्किल फायदेमंद हैं। उपरोक्त तीन क्षेत्रों के अलावा भी वे ऐसे नए क्षेत्रों को खोज रहे हैं, जिनमें पढ़ाई कर सकें और अपने वर्कप्लेस पर आगे बढ़ सकें। एन. रघुरामन

कोई हमें अन्नदाता कहे या जनता जनार्दन, पर चुनावों के हम मालिक नहीं हैं

उत्तर प्रदेश और पंजाब दो अहम राज्य हैं, जहां चुनाव होने वाले हैं। तमाम राजनीतिक पार्टियां इन चुनावों के लिए ही अपनी कमर कस रही हैं। नए-नए प्रभार गढ़े जा रहे हैं और नए-नए प्रभारी बनाए जा रहे हैं। हर तरह से, हर तरफ जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। अगर कोई बेफिक्र बैठेा है, अगर कोई किसी तरह की तैयारी नहीं कर रहा है तो वो है हम। आम लोग! आम वोटरर्स! क्योंकि हमें कोई कुछ भी कहे- अन्नदाता, जनता जनार्दन और भी बहुत कुछ- पर हकीकत यह है कि हर दो, दाईं या पांच साल में होने वाले चुनावों के हम मालिक नहीं हैं। हमने अपने मन को आजादी दी है तो सिर्फ इतनी, कि अपनी मर्जी से चुनाव

कर लें अपने पिजरे का। रहना हमें कैद में ही है। हर तरह के कैदखाने हैं देश में... और हर तरह की कैदें। बच्चे अपनी वजन बढ़ाऊ किताबों की बस्ताई शिक्षा में कैद हैं। बैटियां अपनी सुरक्षा के खतरे के कारण खुद में ही कैद रहने को मजबूर हैं। और महिलाओं, बुजुर्गों की कैदों का तो पारावार नहीं है। तथाकथित सभ्य समाज इन कैदों को घर, ऑफिस, मुहल्ला, खेत, खलिहान, सड़क, बाजार और जाने क्या-क्या कहता है। जब हर कोई कैद है, अलग-अलग कैदखानों में, फिर कैसी आजादी, कैसा लोकतंत्र, कैसा चुनाव? अगर ये पार्टियां, ये नेता, सच में चुनाव जीतना चाहते हैं तो हमें इन कैदखानों से मुक्ति दिला दे। फिर करें राज। वतुर्दिक। एकतरफा।

फिर किसी भी नेता को वोट के लिए गिड़गिड़ाना नहीं पड़ेगा। लोग खुद ही चुन लेंगे अपने मुक्तिदाता को। लेकिन सच ये है कि अंग्रेजों के जाने के बाद ये जो मौजूदा कैदखाने हैं, इनमें से ज्यादातर की निर्माण राजनीति ने ही किया है।

और चौंकने की कोई वजह हमारे पास नहीं है, क्योंकि हर कैदखाने के उद्घाटन के वक्त बड़े मजे से तालियां भी हमने ही बजाई हैं। सभ्य समाज कहा जाने वाला बड़ा कैदखाना जरूर हमने खुद बनाया है। दकियानूसी सोच की गलत परंपराओं की कई शाखाएं भी खोली हैं, जिनमें हमारा बचपन, जवानी और बुढ़ावस्था कैद है। चुनाव के वक्त भी ये कैदें काम करती हैं।

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां ‘इंटेग्रेटी फी?’ की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह

भांपंकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे

अंकल ने भी हमारा अभावदान स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे



एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया।

बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक

टैरिफ मसले पर चीन के बजाय हमारे पास विकल्प सीमित हैं

डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी ग्राहम बिल पर हस्ताक्षर कर उसे कानूनी रूप दे दिया है। इसके तहत रूस से तेल आयात करने वाले या प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वाले चीन और भारत जैसे देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कानून 30 दिन में प्रभावी हो जाएगा और संबंधित देशों को इसका पालन करने के लिए 180 दिन का समय दिया गया है। कानून में राष्ट्रपति को यह तय करने के अधिकार दिए गए हैं कि किन देशों पर टैरिफ लगाया जाए, दर कितनी हो और यहां तक कि



वे टैरिफ से छूट भी दे सकते हैं। लेकिन ट्रम्प पर पड़ रहे राजनीतिक दबावों को देखते हुए सबसे खराब स्थिति के लिए तैयारी करना ही बेहतर होगा। अमेरिका में भारतीय निर्यात पर फिर-से भारी टैरिफ लगाए जाने का असर हमारी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ेगा। भारत की आधिकारिक प्रतिक्रिया में कहा गया कि भारत अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और बदलती बाजार स्थितियों के अनुसार वह अलग-अलग स्रोतों के जरिए ऐसा करता रहेगा। इस मुद्दे पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई चर्चा में भारत की ओर से न सिर्फ द्विपक्षीय संबंधों पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी इसके संभावित प्रभावों को रख दिया गया है। विविध स्रोतों से तेल खरीदने की बात के बावजूद हकीकत यह है कि पिछले एक साल में भारत अपनी तेल जरूरतों की 30फीसदी से 52फीसदी तक खरीद रूस से करता रहा है। अगस्त में भारत ने 85 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत 4.7 अरब डॉलर थी। वहीं जुलाई में भारत ने रिकॉर्ड 110.4 लाख टन तेल खरीदा, जिसकी कीमत 7.3 अरब डॉलर थी। इसलिए इसे कैसे भी देखा जाए, रूसी तेल से दूरी बनाने का फैसला भारत के लिए भारी पड़ेगा। अमेरिका के साथ हमारे इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है। 2016-17 में भारत की कुल तेल खरीद का 6.7फीसदी तेल वेनेजुएला से आता था। लेकिन 2019 में ट्रम्प ने वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगा दिए और 2021-22 तक यह आयात समाप्त हो गया। ईरान के मामले में अनुभव इससे भी बड़ा था। नवंबर 2018 में अमेरिका द्वारा ‘मैक्सिमम प्रेशर’ पॉलिसी के तहत प्रतिबंध लगाए जाने से पहले ईरान भारत की तेल जरूरतों का करीब 10फीसदी हिस्सा आपूर्ति करता था। लेकिन प्रतिबंधों के बाद भारत ने ईरान से तेल खरीद में कटौती की और 2020-21 तक यह आयात शून्य हो गया। मार्च से जून 2026 के बीच अमेरिका ने सीमित अवधि के लिए ईरानी तेल का आयात मंजूर किया तो भारत के तेल आयात में ईरान की हिस्सेदारी बढ़कर 1.1फीसदी हो गई। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूसी तेल का बड़ा आयातक नहीं था। यूक्रेन पर रूस के हमले और रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद तेल कीमतों में उछाल आया और भारत को ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए रूस का रुख करना पड़ा। रूस ने भी तेल कीमतों में भारी छूट दी और अंतरराष्ट्रीय कीमतों को काबू में रखने के लिए पश्चिमी देशों ने भी संपूर्ण भारत द्वाारा की जा रही रूसी तेल की खरीद को प्रोत्साहित किया। लेकिन अगस्त 2025 में ट्रम्प ने रूसी तेल आयात करने के कारण भारत पर टैरिफ 25फीसदी से बढ़ाकर 50फीसदी कर दिया तो भारत ने धीरे-धीरे रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया। परंतु इस साल फरवरी में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प टैरिफ को खारिज कर दिया और भारत की रूसी तेल की खरीद फिर बढ़ने लगी। इस स्थिति से निपटने के मामले में चीन की तुलना में भारत के पास विकल्प सीमित हैं। बीजिंग के पास रेयर अर्थ और मैनेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने जैसा मजबूत हथियार है, जिसका असर अमेरिका में ईवी, रोबोटिक्स और रक्षा क्षेत्रों पर पड़ सकता है। इसके अलावा, चीन अमेरिका को दवाएं बनाने के लिए जरूरी 700फीसदी से अधिक एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स की सप्लाई भी करता है। ऐसे ही कई अन्य उत्पादों की सप्लाई भी की जाती है। इतिहास को देखते हुए जनता के लिए बेहतर होगा कि वह सरकार के इस बेबाक रुख को थोड़ी सावधानी से देखे। क्योंकि, बीते एक दशक में हमारी सरकार तेल के मामले में कई बार अमेरिकी दबाव के आगे नरम पड़ चुकी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मनोज जोशी)

सीबीएसई नेशनल में रेफरी बनकर सोनभद्र के रवि सिंह ने बढ़ाया जिले का मान, पंजाब पुलिस के हेड कोच शिव कुमार ने किया सम्मानित

रेणुकूट/सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रेणुकूट निवासी एवं हिण्डालको इंडस्ट्रीज

निष्पक्षता, अनुशासन और खेल भावना के साथ नेशनल रेफरी की भूमिका निभाई तथा मुकाबलों के

नॉर्थ ब्रांच एवं सीनियर एडवाइजर, कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया, ने भी मंच पर रवि सिंह से हाथ मिलाकर उन्हें सम्मानित किया। दोनों प्रतिष्ठित खेल हस्तियों से मिले सम्मान को रवि सिंह ने अपने लिए गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायी क्षण बताया। चैंपियनशिप के सफल संचालन में सीबीएसई स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर निखिल हंस, सीबीएसई नेशनल ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी रवि कादयान तथा टूर्नामेंट डायरेक्टर सौरभ शर्मा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। रवि सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच हरप्रीत सिंह और राकेश कुमार को दिया गौरतलब है कि रवि सिंह विश्व क्वान की डो चैंपियनशिप में भारत के लिए रजत पदक जीत चुके हैं तथा कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वे एनआईएस कोच, नेशनल रेफरी एवं 4 डैन ब्लैक बेल्ट हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी के रूप में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नेशनल रेफरी के रूप में जिम्मेदारी निभाना उनके खेल जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रवि सिंह की इस उपलब्धि पर हिण्डालको रेनूकूट, सोनभद्र सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



लिमिटेड, रेणुकूट के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय ताईक्वानडो खिलाड़ी रवि सिंह ने सीबीएसई नेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप-2026 में नेशनल रेफरी के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाकर जिले का नाम रोशन किया है। हरियाणा के पानीपत स्थित बाल विकास प्रोग्रेसिव स्कूल, जलढ में 19 से 24 सितंबर 2026 तक आयोजित सीबीएसई नेशनल ताईक्वानडो चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के दौरान रवि सिंह ने निष्ठा,

निष्पक्ष संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। चैंपियनशिप के सफल आयोजन एवं समापन में ऑब्जर्वर शिव कुमार, पंजाब पुलिस के हेड कोच एवं महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ी, की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिव कुमार एशियन गेम्स एवं वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उन्होंने नेशनल रेफरी रवि सिंह को मंच पर सम्मानित कर उनके निर्णायक कार्य की सराहना की। इसी अवसर पर डॉ. जोसेफ लिम, चेयरमैन, 9 डैन कुक्कीवोन इंडिया

कालीन हस्तशिल्पियों/कारीगरों के चयन हेतु 26 सितम्बर को साक्षात्कार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र श्री विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत 'एक जनपद एक उत्पाद' प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के तहत कालीन के हस्तशिल्पियों, उद्यमियों एवं कारीगरों को प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्रदान किए जाने हेतु दिनांक 01 अप्रैल 2026 के बाद से 25 सितम्बर 2026 तक पोर्टल पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के सापेक्ष चयन हेतु दिनांक 26 सितम्बर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र में साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समस्त आवेदक निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपने आधार कार्ड, शैक्षिक योग्यता, जाति, आय प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र सहित सम्बन्धित समस्त दस्तावेज दो प्रतियों (एक मूल एवं एक छायाप्रति) में लेकर साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय व्यापार बन्धु की बैठक 29 सितम्बर को।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बन्धु की बैठक जिलाधिकारी, सोनभद्र वार्ड 29 सितम्बर, 2026 (मंगलवार) को मध्याह्न 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। बैठक में व्यापारियों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों एवं व्यापार बन्धु के सदस्यों से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होने की अपेक्षा की गई है।



सोनभद्र। कार्यालय उपायुक्त (प्रशासन), राज्कोर, सोनभद्र ने अवगत कराया है कि माह अगस्त, 2026 की जिला स्तरीय व्यापार

जे.एस.पी महाविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकास खंड करमा अंतर्गत कसया कला स्थित जे एस दीनदयाल उपाध्याय के जीवन-दर्शन और उनके विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के



पी महाविद्यालय (जे.एस.पी कॉलेज) परिसर में एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती अत्यंत धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला महामंत्री डॉ. प्रसन्न पटेल ने पंडित

अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना ही उनके अंत्योदय का मूल ध्येय था, जिसे आज हम सभी को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जे एस पी महाविद्यालय के संस्थापक बाबू पारस नाथ सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया और युवाओं से पंडित दीनदयाल जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा बुध अध्यक्ष अर्जुन सिंह पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त

उत्तर प्रदेश मीडिया प्रभारी जयप्रकाश वर्मा, हंस एलएसएस पब्लिक स्कूल (कसया कला) की प्रबंधिका ममता सिंह, डॉ. दशरथ, डॉ. प्रदीप कुमार, कनिष्क सिंह मौर्य, खुशबू, सुनीता यादव एवं संध्या सिंह मौर्या सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी उपस्थित अतिथियों व आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

किसान संघ भी उतरा विन्ध्य एक्सप्रेस वे वापस हो को लेकर-किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी कार्यालय में एक दिवसीय धरना किसान संघ द्वारा आयोजित किया गया



चाहती है यह लड़ाई केवल किसान ही नहीं आदिवासी अस्मिता की व परम्परा बचाने की लड़ाई है हम सब जल जंगल जमीन नहीं उड़ाइने

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की तैयारियों को लेकर अंतर्विभागीय बैठक सम्पन्न, मुख्य विकास अधिकारी ने विभागों को माइक्रोप्लान के अनुरूप अभियान चलाने के लिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12

के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यालयों में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति किया जाएगा जागरूक-मुख्य

माइक्रोप्लान के अनुसार एंटी लार्वा छिड़काव, फॉर्गिंग, कचरा निस्तारण, नालियों की सफाई एवं झाड़ियों की कटाई सहित अन्य

दुद्धी से रेस्क्यू हुई नन्ही बच्ची को जिलाधिकारी ने गोद में लेकर रखा नाम कीर्ति, भावुक हुआ माहौल, नन्ही 'कीर्ति' के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी प्रशासन ने उठाई, डीएम ने कहा बच्चों की देखभाल में नहीं रहेंगी कोई कमी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कभी-कभी एक नाम महज पहचान नहीं होता, बल्कि किसी की जिंदगी में नई उम्मीद की शुरुआत बन जाता है। दुद्धी क्षेत्र से रेस्क्यू की गई महज आठ दिन की नवजात बच्ची के लिए भी शुक्रवार का दिन कुछ ऐसा ही रहा। वन स्टॉप सेंटर एवं राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने नन्ही बच्ची का नामकरण करते हुए उसे 'कीर्ति' नाम दिया। बच्चों को मिली इस नई पहचान के दौरान माहौल भावुक हो उठा। शुक्रवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ वन स्टॉप सेंटर व दत्तक ग्रहण इकाई का निरीक्षण करने



पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दत्तक ग्रहण इकाई में वर्तमान में दो नवजात बच्चे आवासित मिले। इनमें गौरी जनवरी 2026 से इकाई में रह रही है, जबकि दुद्धी से कीर्ति

का उद्देश्य केवल बच्चों को आश्रय उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित वातावरण, अपनापन और किचन गार्डन-कीर्ति' के लिए प्रशासन ने परिसर को और बेहतर बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने भवन में सोलर सिस्टम, किचन गार्डन तथा परिसर में इंटरलॉकिंग का कार्य सीएसआर के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। वहीं कार्यवाही संस्था डूडा को भवन की आवश्यक मरम्मत और अधूरे कार्य शीघ्र पूरा कराने को कहा गया, ताकि बच्चों और यहां आने वाली महिलाओं को सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। वन स्टॉप सेंटर में कुल 12 कार्मिक कार्यरत हैं, जिनमें केंद्र प्रशासक सहित सात मौके पर उपस्थित मिले, जबकि अन्य शिफ्टवार ड्यूटी पर तैनात हैं। दत्तक ग्रहण इकाई में अधीक्षिका सहित कुल 10 कार्मिक कार्यरत हैं। इनमें चार मौके पर उपस्थित

मिले और शेष शिफ्टवार ड्यूटी कर रहे हैं। पुलिस विभाग की ओर से एक महिला आरक्षी भी तैनात है। नन्ही 'कीर्ति' के लिए यह नामकरण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ाया गया संवेदनशील कदम है। प्रशासन की इस पहल से यह संदेश भी सामने आया कि संरक्षण की जरूरत वाले बच्चों को केवल छत नहीं, बल्कि सुरक्षा, स्नेह और सम्मान के साथ बेहतर बचपन देने की जिम्मेदारी भी व्यवस्था की है। इस मौके पर प्रभारी जिला प्रवेशन अधिकारी श्री ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री सुधांशु शेखर शर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, वन स्टॉप केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

एकादश आयुर्वेद दिवस पर हुआ भव्य कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एकादश आयुर्वेद दिवस को आयुर्वेदिक जीवन शैली के प्रत्यक्ष उदाहरण देते हुए इसे



के उपलक्ष में जिला पंचायत संसाधन केंद्र (DPRC) जनपद सोनभद्र में जिलास्तरीय भव्य कार्यक्रम सफलापूर्वक आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी ने लोकजीवन में स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोगों की चिकित्सा के लिए आयुर्वेद के महत्व एवं बढ़ते प्रभाव पर विस्तृत प्रकाश डाला। आयुर्वेद की विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए अनेक संस्थानों से आए प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए उन्होंने छात्रों

सोनभद्र में किन्नर प्रकोष्ठ ने भरी संगठन विस्तार की हुंकार-ओबरा में हुई अहम बैठक: संगठन के पदाधिकारी ने विस्तार से लेकर आगामी गतिविधियों तक हुआ मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। ओबरा में विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ की अहम बैठक में संगठन विस्तार को लेकर जोरदार मंथन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा-निर्देशन एवं किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किन्नर के नेतृत्व में आयोजित बैठक की अध्यक्षता सनाती किन्नर अखाड़े एवं विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश किन्नर प्रकोष्ठ प्रयाग एवं काशी संभाग की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर माँ किन्नर नंदगिरि ने की। बैठक में संगठन को जनपद से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, नई जिम्मेदारियों सौंपने तथा संगठन की गतिविधियों को गति देने सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। बैठक में वक्तव्यों ने कहा कि मजबूत संगठन के लिए आपसी समन्वय, सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना जरूरी है। इस दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जौनपुर की जिला अध्यक्ष बबली किन्नर, बैठक में संगठन को नई दिशा देने और विस्तार की गति तेज करने पर विशेष जोर दिया गया।

सोनभद्र में कोई प्रसासनिक अधिकारी सीओजी नम्बर नहीं उठाता- संदीप मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में आम जनता त्रस्त हैं वहीं जनपद का



नौकर अधिकारी मस्त हैं किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्र ने कहा कि जनपद प्रसासन व जनपद में बैठे अधिकारी सब निरंकुश हो चुके हैं उन्हें सरकार का कोई भय नहीं है आज जनपद का कोई अधिकारी सीओजी नम्बर पर आने वाले काल को अटेण्ड नहीं करता इस प्रकार की कार्यशैली हमने कभी नहीं देखा

थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध धारा 84 बीएनएसएस की उद्घोषणा का कराया गया तामीला मुनादी करते हुए उद्घोषणा अभियुक्त के घर के मुख्य द्वार एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर की गई चरपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माड के निदेशन में वांछित एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा एनडीपीएस एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत जारी उद्घोषणा का तामीला किया गया। थाना हाथीनाला, जनपद सोनभद्र पर पीपुल्स गुओअउओ 04/2026, धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त (बाहन स्वामी) अब्दुल कलीम उर्फ अब्दुल करीम



23.09.2026 को तामीला कराया गया। विवेक/थानाध्यक्ष हाथीनाला विनोद कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा स्थानीय पुलिस के सहयोग से अभियुक्त के उपरोक्त निवास स्थान पर पहुंचकर मुनादी कराते हुए माननीय न्यायालय द्वारा जारी उद्घोषणा को अभियुक्त के घर के मुख्य द्वार, प्रखण्ड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नियमानुसार चरपा किया गया। साथ ही अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु धारा 55 बीएनएसएस के अंतर्गत थाना भवानीनगर, कमिश्नरेट हैदराबाद में हुकुमी तहरीर दी गई।



हैदराबाद के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा धारा 84 बीएनएसएस के अंतर्गत जारी उद्घोषणा का आज दिनांक

सिगरेट के एक कश में 7000 टॉक्सिन्स ,’वर्ल्ड लंग्स डे’ पर देखें, हेल्दी और स्मोर्कर्स लंग्स का फर्क, हेल्दी रखने के 15 टिप्स

नयी दिल्ली। हमारे फेफड़े हर दिन करीब 20 हजार बार सांस लेकर शरीर के हर हिस्से तक

बेहतर अच्छी ऑक्सीजन सप्लाई फेफड़ों की क्षमता बेहतर सांस लेना आसान इन्फेक्शन का रिस्क

सीओपीडी क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस अस्थमा अर्टेक लंग कैंसर ब्रॉन्किटिस 311 ब्रॉन्किटिस पल्मोनरी डिजीज एम्फाइसीमा- यह एक क्रॉनिक लंग्स डिजीज है। इसमें एल्वियोली (वायु थैलियां) क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और सांस लेना मुश्किल होने लगता है। स्मोर्कर्स लंग्स में होने वाले बदलाव:- 10 साल बाद फेफड़ों की क्षमता घटना। लगातार खांसी और बलगम। 20 साल बाद सांस लेने में दिक्कत। लंग्स डेमेज दिखने लगना। 30 साल बाद फेफड़ों की क्षमता काफी कम स्थायी डैमेज का रिस्क बढ़ना। सवाल- क्या पैसिव स्मोकिंग भी खतरनाक है? उससे क्या नुकसान होता है?जवाब- हां, पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरे व्यक्ति की सिगरेट, बीड़ी या तंबाकू के धुएं के संपर्क में आना भी सेहत के लिए खतरनाक है। धुएं में मौजूद जहरीले केमिकल्स आसपास मौजूद लोगों के शरीर में भी पहुंच जाते हैं। इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं, जैसेकि-

स्मोर्कर्स लंग्स में होने वाले बदलाव

10 साल बाद

- फेफड़ों की क्षमता घटना।
- लगातार खांसी और बलगम।

20 साल बाद

- सांस लेने में दिक्कत।
- लंग्स डेमेज दिखने लगना।

30 साल बाद

- फेफड़ों की क्षमता काफी कम।
- स्थायी डैमेज का रिस्क बढ़ना।

ऑक्सीजन पहुंचाते हैं। यही ऑक्सीजन हमें चलने, दौड़ने, सोचने और जिंदा रहने की ताकत देती है। लेकिन सिगरेट का हरेक कश इन फेफड़ों पर नया हमला करता है। इसका असर तुरंत तो नजर नहीं आता, लेकिन सिगरेट धीरे-धीरे फेफड़ों की क्षमता को कम करती है। लंबे समय तक धूम्रपान फेफड़ों को इतना नुकसान पहुंचा सकता है कि कई गंभीर बीमारियों और यहां तक कि लंग कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है

कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, लंग कैंसर दुनिया में सबसे ज्यादा डायग्नोज होने वाले कैंसर में से एक है। यह कैंसर से होने वाली मौतों में भी सबसे बड़ा कारण है। वहीं, अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी 'सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन' के मुताबिक, लंग कैंसर से होने वाली लगभग 10 में से 9 मौतें सिगरेट पीने या पैसिव स्मोकिंग से जुड़ी होती हैं। आज 'वर्ल्ड लंग्स डे' है। इसलिए आज 'खरब की खबर' में फेफड़ों की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि हेल्दी लंग्स और स्मोर्कर्स लंग्स में क्या फर्क है? धूम्रपान छोड़ने के बाद फेफड़े किस हद तक खुद को रीपयर कर सकते हैं? फेफड़े शरीर के सबसे मेहनती अंगों में से एक हैं। लेकिन धूम्रपान से उनकी क्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है। फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए सबसे जरूरी कदम यही है कि सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों से दूर रहा जाए। विषय को समझे एक्सपर्ट- डॉ. प्रीतपाल कौर, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- स्मोर्कर्स लंग्स क्या होते हैं? जवाब- स्मोर्कर्स लंग्स कोई मेडिकल टर्म नहीं है। डॉक्टर इस शब्द का इस्तेमाल लंग्स के लिए करते हैं, जिन पर लंबे समय तक धूम्रपान का असर पड़ चुका होता है। सिगरेट का धुआं लंग्स के स्ट्रक्चर और उनकी कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाता है। इसी वजह से ऐसे फेफड़ों को आमतौर पर 'स्मोर्कर्स लंग्स' कहा जाता है। सवाल- हेल्दी और स्मोर्कर्स लंग्स में क्या फर्क है? जवाब- हेल्दी लंग्स साफ, लचीले और ऑक्सीजन को शरीर तक पहुंचाने में अधिक सक्षम होते हैं। वहीं स्मोर्कर्स लंग्स पर तंबाकू के धुआं का असर दिखने लगता है। हेल्दी और स्मोर्कर्स लंग्स में फर्क:- हेल्दी लंग्स:- रंग हल्का गुलाबी, लचीलापन ज्यादा, एयर फ्लो

टाइमलाइन कुछ इस तरह है- 12 घंटे बाद-ब्लड में कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर सामान्य होने लगता है। इससे शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलने लगती है। 48 घंटे बाद शरीर से निकोटिन लगभग निकल जाता है। स्वाद और गंध महसूस करने की क्षमता बेहतर होने लगती है। 3 दिन बाद-सांस लेना आसान लग सकता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार शुरू हो जाता है। 3 महीने बाद-फेफड़े बेहतर तरीके से काम करने लगते हैं। खांसी और सांस फूलने की समस्या कम हो सकती है। 1 साल बाद-धूम्रपान जारी रखने वालों की तुलना में हार्ट डिजीज का रिस्क लगभग आधा रह जाता है। स्वास्थ्य में बड़ा सुधार दिखाई देता है। ध्यान दें- रिकवरी की रफ्तार हर व्यक्ति में अलग हो सकती है। यह धूम्रपान की अवधि, मात्रा और व्यक्ति की सेहत पर निर्भर करता है। सवाल- क्या सिगरेट छोड़ने के बाद लंग्स पूरी तरह ठीक हो सकते हैं? जवाब- यह इस बात पर निर्भर करता है कि धूम्रपान ने लंग्स को कितना नुकसान पहुंचाया है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- सिगरेट छोड़ने के बाद लंग्स की कार्यक्षमता में सुधार हो सकता है। खांसी, बलगम और सांस लेने से जुड़ी कुछ समस्याएं समय के साथ कम हो सकती हैं। लंबे समय तक धूम्रपान से लंग्स में हुए कुछ बदलाव और डैमेज स्थायी भी हो सकते हैं। इसलिए जितनी जल्दी धूम्रपान छोड़ा जाए, फेफड़ों के स्वस्थ होने की संभावना उतनी ही ज्यादा होती है। सवाल- स्मोकिंग छोड़ने के बाद लंग्स को हेल्दी रखने के लिए क्या

रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन-बच्चों में अस्थमा, लंग कैंसर, हार्ट डिजीज, स्ट्रोक आंखों, नाक और गले में जलन, प्रेनेसी में मां और शिशु पर बुरा असर बच्चों के फेफड़ों के विकास पर असर पड़ता है। सवाल- क्या रोज सिर्फ 1-2 सिगरेट पीना सेफ है? जवाब- नहीं, सिगरेट के हर कश के साथ शरीर हानिकारक केमिकल्स के संपर्क में आता है। इसलिए धूम्रपान की मात्रा कम करना नुकसान को पूरी तरह नहीं रोकता। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, धूम्रपान से बचने का सबसे अच्छा तरीका इसे पूरी तरह छोड़ना ही है। सवाल- स्मोकिंग छोड़ने पर लंग्स में क्या बदलाव होते हैं? जवाब- स्मोकिंग छोड़ने पर शरीर और फेफड़े खुद को

लंग्स को हेल्दी रखने के टिप्स

- धूम्रपान बिल्कुल न करें।
- पैसिव स्मोकिंग से बचें।
- रोज एक्सरसाइज करें।
- रोज तेज कदमों से चलें।
- प्रदूषण में मास्क पहनें।
- धूल से बचाव रखें।
- घर में वेंटिलेशन रखें।
- पर्याप्त पानी पिएं।
- पोष्टिक खाना खाएं।
- फल-सब्जियां ज्यादा खाएं।
- संकमण से बचाव करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- लगातार खांसी इंग्रोर न करें।
- सांस फूले तो डॉक्टर से मिलें।
- रेगुलर हेल्थ चेकअप क्वाएं।

रियेयर करना शुरू कर देते हैं। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे चलती है और समय के साथ सांस लेने की क्षमता में सुधार होता है। बदलावों की

एशियन गेम्स में भारत को तीसरा गोल्ड:महिला कबड्डी टीम ने लगातार 5वीं बार मेडल जीता; 2 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज भी आए

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में तीसरा गोल्ड जीत लिया है। टीम ने महिला कबड्डी

आखिरी मिनट में ईरान को अंक की जरूरत थी, लेकिन भारतीय डिफेंस ने अयनाज को शानदार

के फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया है। विमेंस टीम इंडिया ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल जीता है। अब दोपहर 2:30 बजे पुरुष टीम का फाइनल भी ईरान से होगा। जापान के नागोया में शनिवार को गेम्स के 7वें दिन भारत को चौथा मेडल मिला है। इनमें 2

ने 10-11, 11-2, 11-10 से जीत दर्ज की। भारत को ब्रॉन्ज मेडल मिला। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 2-5 से पीछे थी, लेकिन वापसी करते हुए स्कोर 6-6 कर दिया। इसके बाद जोशाना-वलावन ने 8-7 और फिर 9-7 की बढ़त बनाई। उनके पास मैच जीतने के 3 मीक भी आए, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने स्कोर 10-10 कर दिया। अगले अंक पर भारतीय जोड़ी ने जीत का जश्न मनाया, लेकिन उन्हें अंक नहीं दिया गया। इसके बाद हांगकांग ने अगला अंक जीतकर फाइनल में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। टेबल टेनिस: मनुष शाह तीसरे राउंड में हारे, लिन शिडोंग ने 4-0 से हराया- भारत के मनुष शाह पुरुष सिंगल्स के तीसरे राउंड में चीन के लिन शिडोंग से 0-4 से हारकर बाहर हो गए। लिन ने मुकाबला 11-4, 11-4, 11-9, 12-10 से जीता। मनुष शुरूआती दो गेम आसानी से हार गए। तीसरे गेम में उन्होंने बढ़त बनाई, लेकिन 9-11 से हार गए। चौथे गेम में मनुष 10-5 से आगे थे, लेकिन लिन ने लगातार 7 अंक जीतकर गेम और मैच अपने

नाम कर लिया। एथलेटिक्स: अनिमेष कुजूर 200 मीटर के सेमीफाइनल में भारत के अनिमेष कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर हीट में 21.10 सेकंड का समय लेकर अपनी हीट जीती। इस जीत के साथ उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बना ली। फैंसिंग: पुरुष टीम साबर के क्वार्टर फाइनल में भारत हारा- भारत की पुरुष साबर टीम को क्वार्टर फाइनल में डिफेंडिंग वैंपियन दक्षिण कोरिया से 25-45 से हार

मिली। इसके साथ भारत का अभियान खत्म हो गया। भारत की ओर से करण सिंह, जीएन कुमारेशन और विशाल थापर ने मुकाबला खेला। चीन के गोल्ड की यामाशिता ने गोल्ड मेडल जीता। बरवाल 35 किमी तक लीड ग्रुप में थे। आखिरी 7 किमी में उन्होंने बढ़त बनाई और चीन के पेड्रू फेंग से 36 सेकंड आगे रहे। जापान के इचिकाता यामाशिता ने 2:10:49 के समय के साथ गोल्ड जीता। बरवाल ने अपना ही नेशनल रिकॉर्ड 21 सेकंड से बेहतर किया। उन्होंने इसी साल अप्रैल में 48 साल पुराना शिवनाथ सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा था। एथलेटिक्स- डेकाथलॉन के 100 मीटर में तेजस्विन शंकर पांचवे- भारत के तेजस्विन शंकर ने डेकाथलॉन के 100 मीटर में 10.98 सेकंड का समय लिया। वे थोपीकी से 0.04 सेकंड तेज रहे और उन्हें 865 अंक मिले। पहले इवेंट के बाद तेजस्विन पांचवें स्थान पर हैं। दिन में उनके पर्सदीदा इवेंट लॉन्ग जंप और हाई जंप होने हैं, जहां वे अंक बढ़ाने की कोशिश करेंगे। इसके बाद डेकाथलॉन का दूसरा दिन कल होगा। आज 22 गोल्ड दांव पर-आज कुल 22 गोल्ड मेडल इवेंट खेलें जाएंगे। इसमें सबसे ज्यादा एथलेटिक्स में 7 गोल्ड दांव पर होंगे। वहीं कैनो स्प्रिंट में 4 गोल्ड मेडल मैच होंगे।स्क्वाश: अभय सिंह फाइनल में पहुंचे-भारत के अभय सिंह ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 3-0 से जीत लिया। उन्होंने तीसरा गेम 11-6 से जीता। अभय ने मैच 11-3, 12-10, 11-6 से अपने नाम किया। अब फाइनल में उनका सामना पाकिस्तान के नूर जमान या मलेशिया के एहन योत एनजी से होगा। अभय वर्ल्ड नंबर-26 है। एनजी की रैंकिंग 17 है।

बॉक्सिंग: कपिल ने एस्ताकी को 5-0 से हराया, टॉप-8 में- भारत के कपिल ने पुरुषों के 90 किग्रा वर्ग में एस्ताकी को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। अब 28 सितंबर को क्वार्टर फाइनल में उनका सामना साउथ कोरिया के किम गिचाए या पाकिस्तान के इरफान खान से होगा। कबड्डी: भारत ने ईरान को 37-34 से हराया, गोल्ड जीता- भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया।

weekly.pmd

7

26-Sep-26, 4:30 PM

